

ऑक्सफेम रपिर्ट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में 'ऑक्सफेम' द्वारा जारी की गई रपिर्ट के अनुसार अमीरों और गरीबों के बीच भारी असमानता पाई गई, भारत के 1% सबसे अमीर लोगों की आर्थिक वृद्धि 2018 में 33% जबकि अन्य नचिले स्तर की आधी आबादी की आर्थिक आय में सरिफ 3 फीसदी की ही बढ़ोतरी देखी गई।

महत्त्वपूर्ण बडि

- अंतरराष्ट्रीय अधिकार समूह (International Rights Group) के वार्षिक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 2018 में अरबपतियों की आय में एक दिन में 12 प्रतशित या 2.5 बलियन डॉलर की वृद्धि हुई, जबकि दुनिया की सबसे गरीब आधी आबादी ने अपने धन में 11 प्रतशित की गरिवट देखी।
- इसके अनुसार लगभग 13.6 करोड़ भारतीय, जो देश के सबसे गरीब 10 प्रतशित कषेत्तर के अंतरगत आते हैं, 2004 से लगातार करज़ में हैं।
- यह रपिर्ट पाँच दविसीय वशिव आर्थिक मंच (World Economic Forum-WEF) की वार्षिक बैठक के शुरू होने से पहले जारी की गई।
- दावोस में वैश्विक राजनीतजिओं और व्यापारिक नेताओं का वार्षिक सम्मलेन आयोजति हुआ जसिमें बढ़ते अमीरी-गरीबी द्वारा उत्पन्न सामाजिक वभाजन से नपिटने हेतु चर्चा की गई, ऑक्सफेम ने भी इस बढ़ती असमानता (अमीरी-गरीबी) पर चति जाहरि की है।
- ऑक्सफेम ने बताया कि यह बढ़ती असमानता ही गरीबी के खलिाफ कयि गए प्रयासों को असफल कर रही है, अर्थव्यवस्थाओं को नुकसान पहुँचा रही है। जसिकी वज़ह से वैश्विक स्तर पर लोगों में रोष बढ़ रहा है।
- WEF शखिर सम्मेलन में यह बात भी सामने आई कि यह असमानता अनैतिक है क्योंकि कुछ अमीर लोग ही बढ़ते भारतीय धन की हसिसेदारी में शामिल हैं, जबकि गरीब लोग अपने भोजन, वस्त्तर एवं दवाइयों जैसी मूलभूत जरूरतों को ही पूरा नहीं कर पाते हैं।
- इसमें यह भी स्पष्ट कयिा गया कि यदि ऐसी ही असमानता भारत के शीर्ष 1 प्रतशित अमीरों और बाकी बचे सामान्य लोगों के बीच जारी रहती है तो इससे देश की सामाजिक और लोकतांत्रिक संरचना समाप्त हो जाएगी।
- रपिर्ट में पाया गया कि अमेज़न के संस्थापक 'जेफ बेजोस' (दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति) की आय में 112 बलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इसका मात्र 1 प्रतशित हसिसा इथियोपिया की सम्पूर्ण आबादी यानी 115 मलियन लोगों के स्वास्थ्य बजट के बराबर है।
- भारत की शीर्ष 10 प्रतशित आबादी के पास कुल राष्ट्रीय धन का 77.4 प्रतशित हसिसा है। जबकि शीर्ष 1 प्रतशित लोगों के पास 51.53 प्रतशित हसिसा है।
- लगभग 60% से नमिन आय वर्ग आबादी के पास राष्ट्रीय संपत्तिका केवल 4.8 प्रतशित ही है, जबकि शीर्ष 9 अरबपतियों का धन नमिन स्तरीय 50 प्रतशित आबादी के धन के बराबर है। धन की यह असमानता लोकतंत्र को प्रभावति करती है।

भारतीय असमानता का प्रारूप

- ऑक्सफेम ने कहा कि 2018-2022 के बीच भारत में हर दिन 70 नए करोड़पति बनने का अनुमान है।
- सर्वेक्षण में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई कि कैसे सरकारें सार्वजनिक सेवाओं, जैसे कि स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के कषेत्तर में असमानता को बढ़ा रही हैं, वही एक ओर जहाँ नगिमों और अमीरों पर कर लगा रही हैं, और दूसरी ओर कर चोरी पर रोक लगाने में असफल हो रही हैं।
- इस बढ़ती आर्थिक असमानता से महिलाएँ और लड़कियाँ सबसे ज़्यादा प्रभावति हैं। लाखों लड़कियाँ अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचति हो जाती हैं तथा महिलाएँ मातृत्व देखभाल की कमी के चलते मर जाती हैं।
- रपिर्ट के अनुसार, भारत में पछिले साल के 18 नए अरबपतियों को मलिाकर अब इनकी संख्या 119 हो गई, जबकि उनकी संपत्ति ने पहली बार 400 बलियन डॉलर (28 लाख करोड़ रुपए) का आंकड़ा पार कर लिया।
- यह 2017 में \$ 325.5 बलियन से बढ़कर 2018 में \$ 440.1 बलियन हो गया, जो 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट के बाद से सबसे बड़ी वार्षिक वृद्धि है।

स्रोत – द हद्वि

